व्यक्ति। अधारमध्यक्ति प्रक्रिक्ति वि वृद्धि। व्यक्ति व्यक्ति प्रकृति । उत्पद्धः व्यक्ति। उत्पत्त वृद्धिः प्रकृति । प्रकृति। प्रकृति। प्रकृति। अधार्यः प्रकृति। प्रकृति। प्रकृति व्यक्ति। प्रकृति अधार्यः अधारम् कृति । (क्षिणे प्रकृति । प्रकृति अधारम् कृति विद्यम् (क्षिणे प्रकृति । प्रकृति अधारम् कृति विद्यम् (क्षिणे प्रकृति व्यक्ति अधारम् प्रकृति विद्यम् कृति । (क्षिणे वाम्यक्ति अधारम् क्षिणे प्रकृति । वृति । (क्षिणे वाम्यक्ति अधारम् क्षिणे व्यक्ति ।

লম্মি তীরে বিশাল শাল্মণী নামে এই তি আছে। সেই তত্তে বর্থা কালে পদ্ধী ক্ষুক্ত বাদ্ধী করে মাথে বাদ্দ করে। তারপর এক বিদ্দা অতি লোক্তর মেথেতে মুদ্দুর বাবে বৃদ্ধি বর্ধন হউতেকে সেই ভক্ত হমেতে ক্যুক্তিনি বাক্ষ শালে ক্ষুক্তি

क्रिमोर्ट्स । जोबीव्यक्तिस्य स्थितम् अञ्चीत्रा विभिन्न উহে ভালতেরা শুন আঁহারদের এই খাঁদার তৃথ দিয়া হস্ত পদাদি আষ্ট্রাহন কর 🕆 তাহা শুনিদ্রা बानरवरा आलाहमा सहित्यम छोन एक छोड़ी केंद्रियन देखि अभेजा इंडेरन पढ़ में बीनरवृत्त् কৃষ্ণে আরোহদ করিয়া দকল পদ্ধীর খালা ও ভিত্তানি ভগু করিয়া অবতে ফেলাইয়া দিৰুঃ জভাৰ আমি বলি অবিহানকে উপদেশ হেওয়া এই ফল। বস্তু কহিতেকে ভারপর পদ্ধীরা কোনোতে বলিল ভোমার রাজহৎ সংক্ কেতা রাজা করিল । তথাৰ আমিও জাঁও কোঁবেতে কহিলাম ভোমারদের মঘুরকে কে রাজা করিল। ইহা শুনিয়া ভাহার। আয়াকে ইনন ফরিতে ওাদাত হইল আহিও আপনার বিক্রম দেখাইলার। যে হেডুক পুরুষের इवेश अना नुकात भीत श्वेश स्था अलेखा lateck Palan Auto teolog after

ইনিয়া কৰিছেকে আনিগর আর পরের বলা কল সাহাতে আনা ঘায় অসাহাতে সকরেই কথ্যাসকরিতে পরে। অনা পুকার বাাদুচমারিত সাহত শব্দা মাইয়া বাক ঘোষতে সহিশেন। ক্য জিকাসা করিতেচেন এ কি । থাকা

হাজিনা পুরেত্তে বিনাধ নামেতে এক রক্ত আছে তাহার গার্ভ অনেক বহিছা অতাভ মুন্ত্রন মরিবার নায় হইয়াছে। ডাহারপর সে কুজক বাায়ের কথা লইয়া ডাহাকে আহুদিন করিব ভাহা করিবে অর্থার নিকট শাস্তি কাকিয়া বিন। ভারপর সকল কেন্দ্রপার্কার কাহাকে বর্গায় জাল করিয়া নলায়ন করে। ভারপর এক দিন কোন এক ছেন্দ্র বন্ধক এক কম্ব গায় জড়াইয়া বিনুধ্বানে কল্পা করিয়া শালে ভারপর গার্ভ শাস্ত প্রায়াইয়া কয়া পুরু

ইয়ালে অভার ওছাতে গিম্ভী আন করিয়া উষ্ট শত্ন করিলেজ। সে শুলিয়া বলিল যে এ शिक्तांत्र मंतु भूदे निभक्त इदेला जीता हता ষ্টবিল। অন্তঃৰ জাগ্ম বৰ্লি অনেফ দিলেৰ ষ্ট্ৰৱন এই অৰু ৷ স্বীৰ্যমুগ্ত কৰিতেকে ভাৱনাৰ পঞ্চীরা কহিশেক এরে দুটে বক ভূই আঁটার দের ফালিকে মন্দ কথা কছিল অভাব ভোকে क्षियां कविव नां। देशे विनयां लीति वृक्तियां मरकार्त कहिरतक स्था अत स्थि म রাজহণ্দ দশ্রহা ঘূদু তাহার রাজ্যে অধিকার मोहे। (प्रमने अकां प्रमुद कहाउनम् रीन देका ক্রিত্তৈ পারে লা। আভার ভোর রাজা মূদ মে বৈমনে রাজ্য শাহ্মন করে। বিদ্ধ ভূই ফুরেক্স ষ্টেই এ জন্যে ভাষার আশুর দইয়াজিন ৷ .. শুন ফৰ দ্বায়া যুক্ত গ্ৰহত ব্যক্তর দেবা কর্তব্য । যদি বৈবাৎ জন না খাতে তবু আলা কে

নিয়ার বারে। অন্য হীন মেরা অকপ্রতী কর্তব্য মহদাশুর। অন যে তাও প্রকর হতে মনিরা হয় অন্য পুকার নির্ভনের হাতে ভারান যে মে অনুতাকে যায় তেনে আবার আবেয় অভাবে অন্তোক মায় তেনে আবার আবেয় অভাবে অন্তোক মার্য তেনে আবার কিশেষ অতি শক্তি রাজাও হাণদেশে নিম্মি হয় যেয়ত শশির বাণদেশে শশকেরা মুখ্যী হবৈ। আমি কহিলায় মে কি। শমিরা কহিতে লাগিন।

ক্ষান্তি বৃদ্ধির অভাবে তৃষার্ত্তানির দুধ পত্তিকে বলিতেকে। নাথ আমারদের কি প্রণায় জীবনের। নাবল কুদু জন্ম নিকশিও দান আজে জল শালের। আমারদের ভো-ভার্থ লাহি আমহা কি করিব কোথায় যাব। হন্ত্রী এই কথা গুলিলে জনেক দুর চিয়ের অপুনর কে জনবদ কেনিয়া আইল। ভার্পার

(सहे शांत जन भान करड़ने। अक विदस তাহার তারন্তি এক জুরু শশক ঐ হন্টার পদতলে পজিয়া নথা হুইয়ালে। অনন্তর শিৰীযুগ লামে শশক তাহা দেখিয়া চিতা ক্রবিডেনে। ভারিদেন এই ঘুখণতি পুডাই ঞানে জন শান করিত্তে আসিবেক ভবে ভৌ आंगोहरदह कृत शिक्टिक लां। देश सुरन বিজয় নাম শশক কহিতেকে তেমিকা বিষাৰ ছবিও না আন্তি ভাহার পুতিকার করিব তথক এ প্তিজা করিয়া চলিল। গিয়া আলোচনা ছরিত্তেছে কেমনে হন্তরি মন্যুচেগতে থাকিয়া बन्दि। (प रिकृष्ट मूर्ण गांद्य शिंक मार्थ करहे খুবি মারে মবে প্রায়ন করিলে ছুশান हीभित्न भेदर पूर्जुस्म नक्षे कृदर । পর্বতের ওপর ঘাইয়া বলি তাহা স্করিলে হস্ত্রী স্থাইতেছে কে জুনি কোথা হইতে আইলা। স্<u>লো</u> শহিরেরে জানি শশিক ভগরান্তম আহাকে

ভাষার জাতে পঠিছিয়াছেন চ কহিলেক কি কাৰ্য্য বল। বিভায় বলিতে দাটी व তথাত শান্দ্রে মৃত আহা করে তাহা আদাধা হয় ा । म (प (म खररी) डारवत साहस् ক্তাহে তাঁর আজার আমি ধনি প্রনাহ তুমি চুষ্ট্র মার বৃদ্ধক শশককে বিদাশ করিয়াত স্ হাতি ভালুচিত করিয়ার। নে পশকের তিওকান ইহার রফ্ক অভাগ্র আয়ার চন্দ্র এই ক হয়াকেন তুমি হস্টাকে বার্ধ কর্ণায়া যেন কাৰ আমে লা ৷ যদি আৰু বাৰু আমে তত্তে প্রারা পর্কিরের। তথান প্রকরাম দ্বিরে**র দু**থপত্তি ক্ছিডেচে আমি না জানিয়া ভাষা করিয়ার্চি আরু ছরিব না। দুড় বলিল যদি এমন হয় इत्त अभारन महाविद्य स्मारनेस्त्र क्यूनान ঠাবোনকে পুনাম কহিয়া যা**ও। ভা**রণত্ত হ'ল্কিল্ডিড লইড়া কলের মধ্যে চকল চৰু

विम् एत्याहेत दिल्ला व्यापिक प्रधान कविम्

লিবস হে বৈ আমি অভাবে অপর্টি হুৰিঘুণিট্ট অডএৰ আমাৰ অপৰাধি মাৰ্দ্ৰণা স্বস্কু अंतरहत आहे प्रदेशक ना देशरे वनिया नेम्ब জিরলেক টি জাত্তএর আমি বলি বাপদেশের বিষয় ৷ তার্পর আতি ব্লিয়াল মেই যে আমাহিলের তুভ রাজ হৎদ তিদি মহাপুতা পান্ত অতি বল্যান ভাষাতে বৈশেক্ষয় শুজুত ভাষার রাজ্য শাশন কোন বিষয় ব তথ্য দেই পক্ষারা বলিল কি কার্ন এ ছুমিতে চারিতের ইহাই বলে রাজা চিত্রবর্নের সিক্ট লইয়াগেলি। তারপর রাজার অণ্টে আমাহে শ্ৰেমাইয়া তাহায়া পুলায় করিয়া বলিল মহা য়াজ অবহান কৰন এই দত্ত বন্ধ আয়াৰ অধিকারে চরে আর নিদ্ধা করে। বাজা বলিলেন ছোণা হইতে আইল 1 ভাহারা বলিক হির্নাগর রাজহুংমের অনুচর কর্পর্যাপ होंदे जिल्हिएति । उत्तरहर शृद् यही व्योगित

বিভালা করিবের। ভোমার মে থাবে মূখ্য মন্ত্ৰী কেড়া। আমি বলিলাম সৰ্বত নামে इंक दिनल प्रद क्षांब (य नगृष्ठीने अ जस्की भंद आहे। । হানে আপনভার অধিকার ৷ বাজা কছিলেন अवन जांदक । इंका शत जिल्ल हेन विकी ইছারা অপুনিয় যে তাহা বাপুন করে ইছা ভাবিয়া লা আদি আরু ফি লভা হয়। ভারপর আফি विनाय परि वहन सांख्य लांड इस उरव वाहे किन तम क्षेत्र वहीरने कामन्तरम् इन्ह हितलारीव ৰাজহু« স আগ্ৰী আচেন। ইত কহিডেছে প্রাহার নির্ভার জি। আহি বনিশাম মুস্ক রাজা ক্লাসিয়া কহিলেক তুমি ঘাইয়া আপন নামীকে রুত্রী করণা। তথক আছি ধনিদাম আণ নার এক জন দৃত পাঠাও। স্থাকা কহিলেক क्र पांदर प्रोडा क्ष्म अधन मुकाइ एउ ठाहि क्षा प्रभी सेवि इस वाधन मुख्यी अभी बुक्तव

শরমত্ব এ শুকার দৃত ওপদুক্ত এ পুকার দৃত্ত আনেক আটো কিন্তু বুক্তিনের কর্তবা। বে হৈতুক মামার আশিবর্তাদ করেন বিন ইট্রা করেন লা স্বাহ্ত সাইমে কালকটোর কালিমা ইইল। তাবে প্রক্র আইম প্রক্র তুমি ইহার সাইউ মাও আমারদের ইট্রা। প্রক্র কছিলেটো যে আন্তা মহা রাজ কিন্তু এ দুর্ভাগ বহু ইহার মাহিত ঘারো লা। তাহা কহিলাকেন মাল মৃত্ ও করের ভাহার মাল লিমান্ত সাবীতে মালে। দেখা দাশানন স্থাতা হরেন করিলেক কিন্তু সমুদ্ধ হাঁহী লিক। অপর দুর্ভানের মাহিত ক্যান থাকিবে লা ও ঘারেও লা। কাকের সাহিত থাকিয়া হওমা হত্ত হইল প্রিক্ কর্নক ও বর্তক ঘাইটো মারিল গোলের হাতে। রাজা কহিতেটোল লো কি। প্রক্র ক্লান্তেটো

जुनी की पूरेब जारथ अधिरह वस

164

শার্টোর নাম করে। এক দিবস গ্রিট্র নামলা ভাল বাস করে। এক দিবস গ্রিট্র নামলা ভোল পথিক প্রশান্ত লেশালে উর বিশুর্থ প্রাচিণ্ডা পদ্ধা করিল। প্রদানকর কিছু কাল পরে তাহার লালা গোল তথান রাজহৎস ভাল শ্রুণে রৌদু দেখিখা কুখাতে আপন পালা শ্রুণা রৌদু দেখিখা কুখাতে আপন পালা শ্রুণার করিয়া পুন্ধবার লালা করিল। পরে শ্রিণার করিয়া পুন্ধবার লালা করিল। পরে শ্রাচে। তারপর সুধ্ধ অসাহিছু মুভাব নেই ভাল তাহার মুখ্যে প্রীদ করে প্রায়ন করিল। ভালে এ প্রীদ করে প্রায়ন করিল। ভালে এ প্রীদ করে প্রায়ন করিল। ভালে এ প্রীদ ভালা ভালে অভান লাগিলে যে হৎস বিনাল আলে অভান ভাহাকে উন্তির হলন করিবেক। এই আলি

्रीक दिन शिकार्यक पाठी पुर्मात्त सर्वन पर्वति समुद्र कीट्र शिकार कार्यद्र अक्टर्ड अकट्ट

महिरंहरको अहिमेश प्रधेद अस्ता अस् तीन स्वि अति जनाहामक स्वीधनेत अभेद्र वर्षेत्रा घरिएएए 🛊 কাক ভাহাকুওপর কমিয়া দ্বি গাইতে লাগিল এছদন্তব্যে গোণ ছবি ভাত স্থমিতে দামাইয়া ওছ দৃষ্টি কহিলা দেখিশ ভাক আৰু বৰ্ত কে' তথাৰ শৈদ্যভাতে গেলে কাক প্ৰাইল মভাব নির্পরাধী মন্ম চলিতেকে তাহাকে পাইয়া টোগৰ বই কবিল। অভাৰ আঁমি বলি মুর্জনের সাহিত ক্রমন থাবে না ও বাস করিছে না ৷ ভারণর আমি কহিলাম ভাতা শ্রক এ কি ক্রাটা কহ রাজা যেমূৰ আমার পৃতি ভেম্মৰ ভোমার প্তি। পুরু কহিলৈন এয়ন আজে কিন্তু দুর্জুলের বাঁহা ভার বিয় বটে যেহন অকাল প্রের ন্যায় ওঁথানি উন্ন জানুন্ম তুলি দুর্জুন ভোমার কথা ইমে বৃহিলালিং। বে ছেত্ক এই দুই বাজৰি ঘদ্ধ ভোমার বর্তমেত্তে নিশ্চিচ হইল । 克·哈·斯·纳 (10)

कुराक क्षित्र कड़िया यूग्रेटर जासिए जुडिन वियम अभनेतित महित कानमंद मीटक जुडीन अस्टरक कड़िया मृत्य केन्ट्रियक । जाति कहिलाम असि । अस्टिट्रेसक ।

विष्णिय निर्मा न्या काव्यक ।

(योतन भूकारह सम्भावि मास्य उक प्रवाद धारक (स व्यक्तिह स्वर्णित मास्य उक प्रवाद धारक (स व्यक्तिह स्वर्णित मास्य उक प्रवाद धारक (स व्यक्तिह उक मास्य धारक विषय व्यक्ति व्यक्तिह अव्यक्ति अव्यक्ति अव्यक्ति अव्यक्ति अव्यक्ति धारक विषय व्यक्ति व्यक्ति विषय धारक विषय व्यक्ति विषय धारक विषय व्यक्ति विषय धारक व्यक्ति धारक विषय व्यक्ति व्यक्ति धारक व्यक व्यक्ति धारक व्यक्त

জ্ঞাইল প্ৰাংশ প্ৰাংশ ক্ষিত্ৰ দেখ্যৰ প্ৰাংশ ক্ষিত্ৰা কৰিছে নিগুক্ত হ'ব ক্ষিত্ৰ কাল পূচ্

वैकाश्वात जाविक अशिक व्यक्तित करी मूर्व क्षांक प्रतिगृह विकास स्वरेतः क्षांसकत कार्व কহিতেকেৰুও কি ফাজি আহার মহিত নিৰ্মন জীতা কর না থেন, মৌশ ছালা কি দেয়। মে ক্রিডেচে ডুমি জান না এ যে আহার প্রালেশর দাহার ক্ষতি আলার বলেক কার্যা कृषि जीवि विति यहा श्रीमसूद शिशोरहरू दीश दिना अहे गुांग नृत सम्बाद्य आसीह মুক্তি অৱলা সাম্ম ছুইয়াটো জি জালি মেঞালে कि अधिप्राह्म किया कि पुकारत शहेपाद्वान ्रजना आंजनेत्र करण दिसील इंटेरजुरकः। अनेनीकु কহিবেকে ভোমার একি শ্রেছ যে কহিভেকে পুৰৰ কড়ক যে ওজা যে ফোই দুলা ও ভর্তারে স্পুস্থা সেই শারী বর্তাসীনী कारत दिन । ः गरीतम् किम् र दलम् नीन किया कि अध्य हा और संपरि कि हमारे मूरी मुर्शना १ क्या प्रशेष देश गांतीक बहोती पहलुबन असीती विश्वीनो यदि जनकृति विश्वित स्थापि । विश्वित स्थापि । विश्वित स्थापित । ang:

জুট্টি পাৰ্নাই জাতি চক্তৰ আৰু পুত্ৰ কাৰ্যাৰ काम हेड्डा वर्षेन त्यांचा कविलास हेड्डा मा इहेड কা করিলার কিছু বিলি আরী আহার জীয়ার দ্বিদি আমাতে :বিক্সে কম্বিত্ত এ দেবতাট্য হিতে বিভবন ক্ষায়ত্ত শেষকুক ভাষ্ট্র ভারতে স্থামার-তীবন:ভাষ্টার সংহর আমি- অনুমুখ্যা परिव । ाय रहजून : सम्बद्धित रहशेशे लागा মানুষের শরীরে ভারত কাল মধ্যে বাস করে क्षा न्यांकी सांस्क यम् मुठा मांच । न्याना लेकांड নাপুতা। কেনুন গুড়া ভটতে লাপ বলেতে প্রধান क्रयांत निक्रक नहेंग्रा तम की संक्षत्र प्राप्त । অপর যেন্দ্রী মৃত প্রতির প্রদাহত তিতার স্কাশন चूंकि अपि इसके श्रीत नक भाग केलिया র পরিকে: পুরুষ করিয়ে জুর পোক গার্থ क्री संस्ता स्थान प्रजीत प्रतिप्रतामा क्षांकि देना महि क्षान्- चित्र स्वित्र स्वी क्षा हरू मन् १ अरम् ६३ विर्मा करिया (गाँ) स्थे अध्य

80

महिन शाही क्षण एक सरेग्री म्या स्विद्ध नारियो है ्रहे-व्योग् क्वि ल्याके प्राप्त क्यांत विम्य उद्भवनेत व्यक्तियोजनेतः स्वयंत्रः व्यक्तिः नृजा affinitional English. State subside States कांग्रस १३ : अःसम्बनःचिएवदस्थित्वविद्याः प्रोहरः ব্যুদ্ধা হয় ডাছা কর। চুম্বাক হাসিয়া কহিতেতে বছ: দেশান্তর গিলাঃ যেমধা শক্তি जीवकार्यः जन् क्षांनः कवित्रांत्रः । विश्व अ ग्राधित स्टार गाँउ तिराम अविशेष कविरायक सां और विक तारिकरं**भगा**उ प्रेमां **रहजूरड एक** করা এক্ষরি দক্ষণ । রাজা কহিতেরেশ ज्ञानन्याद्रोः कृतिका आमिएविकः । **अहोत** विदि ক্ষা সমুখি যাহাতে জান স্থয় -ভাহা অ**শু**দ্ধ कांक कार्य 'संदर' **करिएजार**'शेर्ड निर्द्धान ক্ষতি তেন্ত্ৰপতিবেরা আক্রম কানেতে চম গালু किकारदरक अन सरिएत्रामी करत (म (रजुर विकृत्यसम्बद्धाः । क्षेत्राः अही त्यदे शोदन

September 1

different inter with water while क्रविम । ः हज्ञराकः स्प्रिक्टकः -(१४व अधि अपून जानि कांगांडका त्यांन निम्मांगी जिल्ल পুত্র সত্তর এই অনুদ্রান হইন কেন্দ্রাকা করিছে क्षित देशहा क्षांक्रम कार्यक नगरीक विक्रमेन कहा মানুক্তৰ সামপুত্ৰিক যে কৰ্তব্য হয় ডাছা নিকাশ अप्रा प्रक्रवांक कहिरलुरस स्वय संबद्ध परिवर्धन क्षांनि कहर जोकांद्र रम्भवत क्यांनी कांग्रही जीति। हम इंग्रिस कांपन इंस्काइ कांग्रीकर्या - वास्तान अस्त शह तम् जारक सावे सान वेशा पारांश লাই সেই অন্ত। সে বিভায় বিশ্বাস প্রায় পুৰুৰ কৰিছা মাধক জ্বাহাত কৰিছে :স্মাণক্ৰি অবস্থাস কৰ্ম াইই কথা কৰিয়া বিভীয়ানকটি कुण म. प्राप्त-शुक्तान । अस्ति । अस्ति विकास **अक्ट्रे क्ले**क्टे-क्टि-एक-एर व्यक्तिक वाहरू ন্ত্র করিয়েত্র অমূক কান্ত বাল क्ष्म् र र्वाच्य सम्बद्धाः क्षांत्र त्य सम्बद्धाः कृतवः अवश्व

ঞ্জিতেটেশ নামপুতিক যুদ্ধ ওপদ্ধিও হয়বাট্

प्रश्नात अविध्यस्य सराह्मक व्यंती पृष्ट क्या

- 500

विधि नरह ता हिल्डे ता प्रश्नी जारणे श्राकारक कुंचे কি ভূমি ডাপ্টা কহিছে বিচার শা করিয়া পরাম্পর্টি लिए (में वि व्या । जीव निर्देश पूर्वाई क्षिति जेत्र केरिएंड हेड्डी क्षितिस मा (व कार्य क्रियांत आदी विजय केमिला इस्तिक । जनक नकरनार नृत कामि। दिउ एका कर्यात नरह भरतह भीगर्थं ना (मेरियां सहरान्द्रे व्यवस्थित्व হয় কিন্তু ঘেষ্টাল কান্ত দিয়া প্ৰত্ত ওলৈ যায় एक इन्ड दियाँ उँ इंग्रं ना व्यउवर चीलु अर्थी साउ यहाँ मिक्टि इहेरउरल जेहें यहेंड यहेंड क्तिं विशेष अविश्व पिराया जाति। केद्रिरवर्त য়েমন ভালেতে ঘণু কড়িয়া কর্ণনি করিলে ভারা मनवडी हरू। खनदं अत्मक मृत् धाकित्न छर् युक्त इहेररेक मिल्डि इहेरन निरंडा छने हहेरवक মহা বিপতা হইলে বিৰুতা। অনা পৃষ্ঠাই প্রায়ে मेहन सर्व्यं प्रधानाईना स्ट्रियक उपस्थि। क्रुवा नरह (चयन अञ्चल नीस्त्रेन किए के कि देवर है

4-12/9

विश्वास निवृद्धने बाजा ग्रहा वनवान य हिन्दु के विद्धान विद्धान बाजा ग्रहा वनवान य हिन्दु के विद्धान व

किनो इंटेरच जरन नेवन इत् । यस्क स्ट्राधानिय

বিশ্ব বেড়া দৈলা যোগ করিবেছ। সর্বই

স্কল সরিশ শুদ্ধস্থমি বলাপুর বিশুনি
আতি বিষয় বল বালো বলাইড পুরেশ ইই

সকল যুক্তর অপুর। রাজা কহিডেচে যুক্ত
আলুসকালে ভাহাকে যুক্ত করিবে। চক্ত কহি

তৈতে যে জন যে কার্যো কুশল ডাহাকে সেই

तिरहा (य जन (य कोर्सी क्नल जोहोरक (महे बोरम निर्वाजन कर्वन करम ज्यूक्षक्या गाँव निम्नुष्ठ हर्र जोहोरक न जाति वहिरदक जाउपद महिमांक व्यानहिंगी पुंत्री मन्तुष्ठ निवृद्ध करहर (य (हजूक मकन मन्तुष्ट हिर्दे हेरेड वीना मन्तुष्ट असन मन्तुष्ट हेरेड वीना मन्तुष्ट असन मन्तुष्ट हेरेड

শারে না । যেমন সকল বসের মধ্যে লবন কুস ওত্তম গোড় ভাহা বিনা মাদুশ বাবুল

ীামার্থ হয় তাদুশ সক্ষ ইলৈর সংক্রি বিলয়

মারো বানা। রাজা কহিতেচেল সত্র গিল্লা নকল কর। এই কথোল কথন হয়তেং পুনবর্লার 155

নারী আলিয়া কহিতেকে। ু মহারাজ পুনরায়
নিশ্হলহী ইইতে মেঘরল লায়ে কাক
কলারিবারে ছারে ভাগাইয়া আচে আলনকার
কলারিবারে ছারে ভাগাইয়া আচে আলনকার
কলারিবারে ছারে ভাগাইয়া আচে আলনকার
কাহারে হালে হালে করিবার। রাজা
কার্যাকে হালে গুহল কর। চুহরাক কহিতেকে
কিশ্ব হাক হলচর মেই হেতৃক বিশ্বন কি
ফারল ভাগাক গুহল করিবা। তাহা
ফারল ভাগাক গুহল করিবা। তাহা
ফারল ভাগাক গুহল করিবা। তাহা
ফারল ভাগাক গুলল মত করিবা
কার্যাকের। আর্বন পান্ন পার্ত্তাগা করিবা
কার্যাকের মুক্ত হয় মে পার করলক নার
প্রাাকের মুক্ত হয় মে পার করলক নার
প্রাাকর মুক্ত হয় মে পার করলক নার
প্রাাকর মান্ত্রাকর মুক্ত হয় মান্ত্রাকর কার্যাকর মান্ত্রাকর মান্ত্রাকর

এক অর্থো কোন শৃগান গাকে সেই
শূগান জেল্লাভে দগিরের নিকট বেতাইতে গাঁরা
লীলের দ্রুহে পভিনেন ভারপর ভাহা হইতে
শুটিত্তে অসম্থ হইলে পুটত ভাগনাকে

মূর্তবং দেশাইয়াছে। তদলন্তর নীনিভাতের ব্যামী তাহা জানিয়া তাহা হয়তে ওঠাইফুট देश (समादेल उद्दिम् समाग्रह कहिरलक । उथन दरम शिक्षां उर्जीय असे मीन दर्ज (प्रत्य हिस्ति इहेन जोग्नि अपन अंजम रवे উঠিএড ওত্তম সিদ্ধি করি ৷ ইহার বিষেচনা ষ্টারিয়া সকল স্থানকে তাকিয়া কহিতেরে আঁটি ভগবড়ী বনমেনী করনক সংবর্গমনী রামেত্র বনহাত্যে অভিনিক্ত হুইয়াছি। অন্তএব ই অর্ডো আমার আতাবিদ ফার্টা করিছে भूगिरलका विनिधं दर्भ सिविधी অগ্রামে পুলিপাতে কহিতেমে যে আঁজা মেশিনি যেয়ন বলেল হাছাই ক্রিব নকলেই ভোমার আজা বহু হইলাম্। এই পুকারে বে সকল জাতির মারে। পুরীন হরল। তারপুর মে মিণ্ড কামুছির মন্তা পাইয়া সকুল শূর্যালকে দেখে দক্তিও ছইয়া সমুদাৰ ভাতিকে

দিব কৰিলা দিল। তদলন্তৰ সকল লুগালাকী বিষয় দেখিলা এক হৃদ্ধ লুগালা কহিলেক লোগালা এক হৃদ্ধ লুগালা কহিলেক কোনাৰ দিব সাহিত কাঠা হয় জাহা কৰিব। কাঠালাকী জাহাতে ও কঠা হয় জাহা কৰিব। কাঠালাকী জাহাতে ও কঠা হয় জাহা কৰিব। কাঠালাকী জাহাতে ও কঠা হয় জাহা কৰিবে। কাঠালাকী জাহাতে বাজা কৰে মালে থাক মাহাতে জাহাত্ৰী লগালাক পৰিচিত হয় জাহা কৰিতেটি । এই সকল জাহাত্ৰীল কৰিয়া এক দিবসা সকলা স্থানিক লাভ কৰিয়া এক দিবসা সকলা স্থানিক লাভ কৰিয়া ও জাতি অভাবে পান্ন কৰিবে লাভ প্ৰতি কৰিয়া ও জাতি অভাবে পান্ন কৰিবে নাহাত্ৰী কৰিয়া বালাকি জাত হইল মাহাত্ৰী কি মন্তাৰ সে কাঠাৰ লাভ কৰিয়া বালাকি জাত হইল মাহাত্ৰীক মন্তাৰ সে কাঠাৰ লাভ কৰিয়া বালাকি জাত হইল মাহাত্ৰীক মন্তাৰ সে কাঠাৰ জাত্ৰীয়া কৰিয়া বালাকি জাত হইল মাহাত্ৰীক মন্তাৰ সে কাঠাৰ জাত্ৰীয়া কৰিয়ে পান্ত লাভ কৰিয়া বালাকি জাত হইল মাহাত্ৰীক মন্তাৰ সে কাঠাৰ জাত্ৰীয়া কৰিয়ে পান্ত লাভ কৰিয়ে পান্ত লাভ

ন্তাৰ যায়। তথ্য শবু জানিয়া মে বাণ্ড্ৰে

क्षांश्रास्त्र मार्थ अहिरलक । दश्यां कश्यिकत्त्र ।

জিনু মার ধীরা দিও শাসু দাকল জৌল हंक जातुरहरे शंहन करहे रागंत करिंगू खुट्ट **ঋণাট এই জালা** জাত্রি বলি আত্রাপদ্ধা শুলি क्रारणिय और सन् । इरेजा कहिरहात्सन बहि अपन হয় তথাৰি দেখা লে দূৰ হইতে আদিয়াঞা জুবিকে মুক্ষে বিহার কর্তব্য। ১৯ কছিলেছে समि इप्रकृत्य गूर्स्य अञ्जो कहर . देशंत अह **শ্লেষ্ট আনিংড পাঠাইলেল**া 🗩 যে হতুক প্রাকৃষ্ণ পর্যাইয়া একৰ রক্ষাকে লচ্চ কর এই ক্লখা কহিতেঃ বীরুসমায়ত রাজা দুয়াত্তির মুক্তকে ছেমিলেন ওরুলস্কর সভা করিয়া কারু আই শুকুকে আখুদি করিদেন। **৪হঁ**ও মন্তব দ্তাদনের ওপর_ত বদিয়া ক্ৰিডেমে এছ হিবলা^{চা}র মহা হাজাবি রাজ প্রার্থিকরন রোমাধক আজা কৃত্রিটাডের মুদ্রি জীবলের ইক্লা পুরুষাজন আছের ভূবে সার্ভ व्यक्तियां कार्याक्सम् इत्यान्ते व स्वीतः प्राप्तः

ভবে থাকিবার কারল জন্য দেশ তেখা কর্মী ব্লাজা সংক্ৰণে কছিডেচেন আই কেই আয়ার আগ্রে লাছি ৷ তথ্যস মেঘরল প্রতিয়া কছিছেছে মহা রাজ আজা করেনতো এ দুখা শ্রককে ইই **ই**রিঃ স্থর্ডংরাজা ও ক্রেকে':™**গর্**না করিয়া কহিডেকে ভাবেশ শুকুল 🕫 ্যে সভায় ৰুজ্ব নাহি লে সভাই দহে ৰে বৃদ্ধে ইয়া- বাক্তা লাকছে দে বৃদ্ধই লছে ও যে**ইয়ের সভা** नीहि स्म देखेंहे नाह उत्र साठा छन थोस्ट हैमं मड़ाहे मध्य । विस्मात अहे। पुठ यहि ট্রে হয় তবু দে ববা দছে যে হেতুক রাজা পূতকে দেহাৰ কৰিবলৈতে সেও তেমনি কৰিয়াকে বাঁহার কিলু অন্যথা **নাছি**্য ন্যাণক্**য হওক** কি পরোশ্বর্ষ হওক দুডোক্ত মাদিতে হয় শৃৎ যে দে অংখ্য ভাষেতে মূত আগি। করিবেক। তীর্ণর রাজাও কান্তাক ব্যস্তার মূল করিকে উৰ্থ উটিয়া পুদান করিবেল ।

ठक्रबाक्टक जालहिल क्षवालक्षावाहि द्विष्ट টোঘ কহিংগক। । প্রক বিজ্ঞাচন সংক্রের ব্লীজাকে নিয়া পুনাম করিলেক। ভাজা बेक्टिउटहरून । शुक्र कि मधोडोर उ एगे कि প্ৰায়ণ সে কহিডেকে মহাবাল ঞান **अन्यक्तनं वरे कथा** यूष्मत् अस्त्राति करना । कैरिय कर्णुत्रपति जल स्म ग्यारशित अकार्य । মাজাও ছিতীয় মুদ্র পতি তাহান্ত বর্তনা করি: ক্লা মুলে এফন শক্তি আমার কি - মে ইন্তু फुनी भरम् स्वाराज के जोरीत वैश्वर्या करन জার এই স্ফোবেল অন্তক্ত কি বলিব। ভাহার কথা ভারলে সকল শিশুলোক উক্তিয়া রাজা মনুনা করিতে পুরস্ত হইদেল ৰশিতেকেৰ সমুখ্য যুদ্ধের কি ওপদেশ ভোচার! संह जावना विरोह कछवा इहेन। छात्रन कहिया চেন আনন্তম্ভ নিজ নম্ভ কহিব নগায় খেয়ন-सन्दर्भ होजा । अनुद्धां (रण्यां तयमं ् निनक्षां,

्रैल म्ही नक्ष्मा मृत्रमणी शृह्य करिएकारी निव मुंहण्य मृत्त विदेश नरह (य (हरुक मिन्न) আঁটাতা থেছিলকৈ দৃত্তিকৈ করিবেক কলে শবু বিশবিত হয় ওখন গুৰু কৰ্ত্তৰা। ছবি ৰিছ विवना अहे जिल विशुद्धत यल अहे सकन सभक्त-লিলিকৈ হয় ওখনি ঘৃষ্ট কত্ৰিয় । ইতিৰ্গ বলিকে তৈন আমার মৈনা দেয়াও ছে মন্ত্রী তথ্যৰ ইছাৰ উদ্যোগের আজা দি আর গাবককে ভাক নিয়া খুড বড়োঁর দির করিয়া দেহ কোন সময় থাবা করিব। মন্ত্রী কহিতেতে সহসা থাকু। कान्ति भेजूद दन विशेष मा कहियां सहमा (व किदि करत सम जुल अवस्य ए स्टाइ स्टाइड्ड দিশ্যিত মানুটারা লাভ হয়। রাজা কহিছেকেন ভূমি আমাৰ ওৎসাহ ভার করিও লা ভেমল অগ্নীতে পরস্থারি আহমন করে ওমন করে। भिते कहिरउएक अंद्रों कहि किन्द्र स्म अनुविक

ভাহা কছিয়ালের অনুভিত মনুলাতে 🧆 অপুনিত পাঁজেতে দাখার জি। তেনে ওঁচৰি कांक ना इंडेरन (इंटिनिड मोसि इस ना अहा প্লাজ দেশের ওপর অভিইয় বর্ত্তরা দরে বেরদ স্থানিয়ালি আমি কেম্বি কহি স্থান মহার্থ बही नवर्व उ पूर्ण तम (प्रधानिक छम् कारक (महरू হাঁলে দেনা নিযুক্ত করিবেক। বনাব্যাক্ত আণ্ডে য়ার ক্রিরবি প্রদাণ্ডি মধ্যে বাক্র কাঞ জিলার সমূহ বল দুইদিংগি জন্ম তাখের পার্লে কুট রুটের পালে হস্তী গতের পালে পদানি শক্ষাৎ মেশাশতি ও দুক্রলেরা ভাষার পাশ্রে র্যাকসোলার। মন্ত্রী যোগ্ধার সহিত এপুকরি ষ্ঠান্তা বন পুছন করিবেক। সমস্থিতে অধ शांत (मीक्षा प्रशांक अर्थति इन्ही ग्रियन जान শুসন্ত কহিলাকে ডাহার অধ্যত্তে আগের পরান্তি अवर्ति देलेन पूर्ण निर्धा मृते वस्त्रेन करहा नेनुस्क দাণ ও আবর্ষন করে এবং করাই বৃক্ত মদ্দি

জারে ও পর ছেপেও বলে পুরেপ জারে তেথাক রাজা নেইচানে ভাতার **চেচানে ভা**তার নাছি ্রেমানে রাজ্য ধারি। ভাষার আগর विक्रिकेट विरवेट (प नी दिय छोटाँक पुरू হয় না যে হেডুক হে মহারাজ নরের দাসু क्रथम नह नाइ मक्रन्डे आर्थाड प्रांम शीहरू মোর লাঘর সকলি ধনাবলের নিবন্ধন। মুদ্দের ক্রে পরস্তুর রক্ষা করে পরাত্তি অর্গ্রে অনেক্ থেজিনা করে ৃকিন্ধ অন্য শসু আমিয়া ওাঁড় গ্রীড়া করে। রেখ আর অপ গুছে সমান কুমাছয়িতে হয়ে বৃক্ষ তলঃ বিনুত বান অমি इस्स धूरकर स्ट्रन स्ट्रनस्ट एकत संसूध देखी তেমন অনা নছে। অশ্ব বন আর দৈন্য যেমন্ প্লানীর ভাষা হয়ৈত অখাকা যে রাজা স্ विषयी हय। जोशं कहियांक पृष्ट्यांन ह्यांक् हिराहत अ मुक्कीर मूर्विष्ठ यमि लेकू थाएक छाउँ इस्तरहरी हत. नुध्य गुष्ट सक्न बरनद नीवन

194

क्रियक पिन मध भाज क्या हेर्न विकास ক্রিকে হভার পুর অনুত অবিরক্ত অশুক্তি भूभिन्न क्रियाह भूगा अन बन मिटे (मेंक उस পুত্ৰুত মনুতি যে দৈনা মে অনেক মুদ্ স্লারিতে পারে। স্থানা মহাপু দিলেও ভেম্ব প্রয় লা তথানি আমার মার বিচার কর বর্ৎ আজু দায় বন ভান কিছু অসাই অনেক ও কিছু পাছ। অসার যে তাহা তম কর্ত্তর সার যে ছালারাজ্ব। তাপুনার আর্থিকান জার বর্তন ছার্ভ কাৰ ঘাণ্ড অণ্ডিকার মে বৈরাচণ্ড্র গাঙ্কের পরুর বল গাঙ্কেলা করিয়া যে পা<u>জুর</u> কৈলাকে মূল মারা করে দে কথক জয়ী হয় না। এই শুহার নাদা মত কহিতে লাগিলেক। **ৰাজা কহিল্ডেন্ডন আ**ঃ অদেক ক্ষাণ্য কি কাৰ্য্য আডেলায়ে বেংমই শীড়ি। বিদি হামিয়ে কছিতেকেল মাক্ৰি এমলি 🛫 অসঃ শান্ত আৰু क्षां जाना विकास । स्थान । स्थान । स्थान । स्थान ।

উদ্দিশর রাজা টোহারিকের আজলগোঁ ওপ্তিরা भूमान कहिरलन। उपनद्धत हित्सहारहेस শ্রেড চরে গিয়া দ্যাচার কহিলেক 🛌 মহা ছাঁজ হাঁজা <u>চিত্র</u>হন^{ি পু}ায় আনিয়া ওৰিষ্ট ইবল। স্মান্ত মুল্যা প্ৰথতে ভাৱার বৈদ্য অবন্তি করিয়াকে এখন আশনি মুদ্ধ শোইপের জনুসকাৰ কৰ্ম। ভাষাতে ভাষায় পৃথু মহুটা কিন্তু কাৰু নাইয়া ঘটি ডাহার ঘুলের প্রের বিশ্বাস ইখা জানা ঘাড় ডবে ভাল হয় 4 লীলা কহিছেতে এ কার্য্য কাকের **সমু**র हेर्रा यही हेरिएस्स्म (म क्रमेडिक नाल्ड र्वरि स्म अ समन कार्य अनेवृक्त हरेड सर শে তথাৰ বি 'কারল শ্ৰন্ধ বাব্যর ওদ্যোগ ক্রিবেক : 'অপর'মে শুকের আগমানে ভাইরি विशुरहार मार्च शिवास्त । 🦈 वृश्ति सहिएउस्स ত্থাপি দে আনিয়াতে তাহাতে নিযুক্ত স্ত্ৰজ मंत्री क्षित्वतानं जोगेन्त्र इदेश्ड क्रमेडिड

20:04

क्षत्रकांक् (क्रामा । क्षत्रा कहिरपुरावस खेन तिह हिउ बर्ज रहा अवल वस्तु ३ काहिए रहे स्थान (प्रमु शांदि जोड़ शतम् अधरे । क्रान्य শ্বরিহর দায়ে হাজা রিশ ডিনি অলু-কালের 🎮 ৰক ৰ্ট্য়া আপ্ৰক ব্ৰুত বলিয়ান ছিলেন 🕽 🗱 कहिल्हाल (म कि । 'इंकि' कहिल्हालन । া আহি পূৰ্ব সাংগ্ৰুপুত্ৰ রাজার জীজা -महित्रायक कर्प इरक्ली नामाद इस्तर्भक জন্য কণ্ডিমনুধীর সহিত মহা প্রতিগৃত ब्रहेश जिलांग (महे भोरत्स्य वीववव नारम्ब्य এক রাজার পুতা কোন দেশ হাইতে রাজ চাবে: ্লাফিয়া বার পালকে কহিওেয়ে আমি বর होर्ध रे इंग्लिक्श व्यवप्रदे कृष्टि कांग्रांटक-द्रोजांद्र सदिउ मांसां - कहिशां (दह । जुन्तिह श्रोद्री त्रांजोइ सहित्र भोकोभ क्षिया विश्व

अधिरदाक सहावान धहि का निकात (मराकड़

গুল্লোজন খাকে ব্যবে আমাকে চাকর রাগ্রিক আমি চাক্টা বাবনা করি। শুনুক ক**হিডেটেন** জামার বর্ত্তস লি । । শে কহিতেছে পুরুছ গুলিশত ভোলা অন্ত নিয়া এই আয়ার অর্জন 🛭 রাজা কহিতেতের ভোমার মামগুর সিং। বারকা বলিতে লাগিলেন দুইবাস্থ তৃতীয় শ্রাস্থা। তুমার য়াজা বনিবেন এড টাকা আমি দিডে পারি সা ভাষা গুলিয়া বীরবর প্রাদ করিশেল। ওমেন্ডর গ্ৰীয়া কহিতেকে 🐃 মহারাজ চারি বিষয় ভাছার বর্তন দিয়া জাত হওন, ওপদুক্ত 🞏 অস্পত্ত এড মাছিলা যে চাছে অবশা ভাছাঁর किन्नू धन थाक्सिन युक्ति । उरनस्त गङ्गीक কথা ক্ৰেতে ভাষাকে ভাকাইয়া ভাৰুৰ পুৰাৰ 3 नेश्व मंड धान माहल फिग्रा करमा निवृत्त করিলেশ ও এক জন অন্তর ভারার কমা निय पंत्यद्रजाला होभिटन इक्तिरनम । अप्यक्षद्र बीहरू मारे नकन्ड म्हार्ज्ड खार्चक बुरेस्ट

প্রবেডাকে দান করিনেন বফি আছেতের ক্ষান্ত্রিক দুন্মির্বিটিকে, ছিলেন ওছির অবশিশ্র জ্বক ভোজন ও ক্রক আলন্য কমে ব্যায় ক্লবিবেল। এই প্রাবে দিয়া যার হাত্ इहित दिवांद्रांति शासु शिद्धत कहिला धारकन মুমান হাজার আজা পায়ের তমান আপন প্রে মুনি ডাহার আজা হাতিরেক কথনে এক গা শিত্তি কোন ফালে করেল মা : ভারণর এক দিন কৃষ্ণবাসের চতুলুশীর রাশ্রিতে দক্ত। ক্ষমনতে শত্ন গুনিলেম তাহা গুনিয়া হাজা ক্সছিতেছেৰ এখাৰে ঘাই? কে ছে। তিনি কছিতে জেল মহারাজ আমি ধীরবর। হাতা কছিতে জেন ছাছে এই জন্মন শব্ৰ কোথায় ছইতেজে ইহার নিক্রণ। বিজু করিয়া আদিতে পার। 'শ্লীকুবৰ কহিলেন যে আজা মহশিল ইছাই বলিয়া চলিবেশ । ওদ্যন্ত্র হাজা ডিন্তা করিছে লাগিলেল এই মহাতি মাজ প্রেতে ভালতারে

পিঠিই নাম ১টা বড় অনুচিত্ত ছইলয়। ভান আহি 3 देहांड पेम्ही< पाँडे विशि न कि करत काशों यांव कि नां यांव हेहां छाविया ब्रांजा थह लहेहां ভাছার পক্ষাম্য চলিলেল বীরুষর নগর ছইটে वोदित इतेमा वक राजव मादी प्रशिक्त करी ৰঙী নৰ ভৌৰন সমুদ্ধ। সকল অলস্কাৰে ছচিডা জ্বাকে দেখিয়া জিফাদা করিতেজেন ভূমি কে কৈ কারন টোদন ভয়িতেল মে স্থী বলিতেছেল আমি এই পুরুক রাতার রাজনক্ষ্মী চিত্তকার अध्याउ अहात पात् कांग पानिन कहिलधी ঐথন মন্যত্র ঘাইতে ইত্রা করিয়ালি অভএব ওঁছার স্বেহের করিন জ্ঞান করিতেছি। বীর্বর কহিতেরে যেথানে অধার দেইথানে ওপার্ আঁচে তবে কি কারণ তৃত্তি ভাগে করিয়া ঘাও ও কি হইলে বা তুমি গানহ ডাহা বল। শক্ষী কছিতেকেৰ ঘদি ভোহাৰ আপৰ পশ্ পদ্ভিত্ত

(क 971रडी मन्द्रमासनारक भूजा कविया दिन् মান দিতে পারত তবে আমি প্রবর্গর ভিরকাল वाम कृति हेराडे यानिया अवर्णन रहेरान । ভারশর হারবয় আপন গৃছে গিয়া নিনুবিতী জুবিক পুষোধী করিলেন ও পুত্রকে ওটাইলেন তে আহা দুই জন নিদা ভাই করিয়া ওঠ তথান डोहांद्रा अवितन बीत्रयत नक्क्षीत रहत ভাছিলেন তাহা প্রনিয়া শক্তিবর কহিতেমেন আমি ইনা এমন হ্রামী রাজ্য রহ্বাথে করিয়াঁ ক্লেন ইছাতে কে বিলম্ করে। अरे शंकारत क्रांनन नृञ् बडेग्रा पुरे करांग्र ठलिएनन । হেতুক পণ্ডিত ব্যক্তি যে সে বারের আর্থ ইন ও সুদ্ধ বায় করে ৷ শক্তিবরমাতা কহিতেতে দী মুদি এ কুমা কর্ত্তবা নছে তথাশি ভোমার বর্ত্তবী ছীয়াকে ভা নহিলে ভোষার এত বর্তন লয়ার क्र्याचा थारक ला देशहे जारबोठना करियाँ সকলে স্বৰ্মন্ত্ৰার হাতে উপায়ত হইলেই

खिथांत िया मर्वयस्यां पृत्रांति करियां बीहरत कहिरदाहरन पानी भूपूक प्रश्तिकाले ইহাই বলিয়া আপন পুঞ্রে पुरिचयां इस् । শির জেন্ব করিয়া দিলেন তাহা করিয়া ডিস্তা ক্ররিডে লাগিলেল আর আগ্রার চাকরিছা করিতে কবি কি এখন নিছুপ্র হইলাম অভান জীবন বৃধা। 📑 ইহা বিবেচনা করিয়া আৰম্ শির ছেনে ভরিবেন তাহার পর দে স্থা ও হয়েরী পূর্যের শোকেতে পুলি ভাগি। করিলেন। शरे मतन शंजा (प्रशिद्धा जानका रहेगा हिंडा কুছিড়েজেন ও বনিব্রেজেন আ্মার মত্ত আলেক क्षांक जोवउ ज्योरक अमहिमारक किन्द्र देशोडू হারুশ লোক পৃথিবীতে, হয় নাই হবে লা ক্ষুত্রত ইহার পরিকাশে। আমার রাজ্য বৃথা। ক্লী সকল বিভার করিয়া রাজা ও আণক শির মেদন করিতে মাত্র নইলেন কথন ভগিবতী कार्यक्षमा क्रांक्षेत्र इश्य देविया कृष्टि द्वाकृत

386

পুত্র আমি ডোমাকে পুসরা হইলাম কি কার্ডন ভূমি হুখা পান আগ করিবে ওেখার রাজ্যে ভর্ম এ পরাত্রয় আরু ছইতেক নাঃ বাজ अधिरित मुनाम कविया कहिराउरसन (पर्वी আঁঠার রাজ্যেতেও তীর্নেতে কি পুয়োজন মীট্ আমাকে বুকা করিতে চাহ ডটো মেই বীর্ষর স্থা পুথের মহিত তবিত হওয় নতুরা আমি খুনি আগে করিব। ভগেইডী কহিতেচেলে 💯 এই ভৃত্যের ইন্তম কাম্পান ক্লয়ে ভোমাতে জ্বাই হইলাম ঘার যাও বিজ্ঞান हैंछ। এই क्रांटर्न्य बोत्रस्त्र स्त्री नृंखात सहित वीडिया अर्क देश बलिया रंग्सी जनसाम् ছইলেন। তারপর বীর্ত্তর দ্বী পুথের সাহিত বালি পুৰান কৰিলেন বাজী ও ভাগালা নং নৌটতে অন্তঃপুরে পুরেশ করিলেন। ভারণক দভাতে ববিবর স্থাবে বন্দিয়া আজেন হাজার পুৰুৰ্বাৰ অভিয়া কিলালা কবিকে কৰিছেংকা

নীবারাজা দেই কর্তা স্ত্রী আয়োকে দেখিয়া জাদশন ভুইল। ভাষার সহিত্ত আমা*ই* आक्षांत इहेन ना जाम विद्या जाहेनाम्। ক্লাহার বহুন শুনিয়া রাড়া চিন্তা করিভেডিন অধ্য কেম্ব করিয়া ইতার পুরু করিব এয়ন लांक इस मारे अ इरद-मा जामुक्त अ कर्नुड ইয়ার সদৃশ লোক ব্রিভ্রবের নাই। তার্গর ৰাজা পুজ্ঞকাৰে জিল মতা কৰিছা মেই মত্ৰ ৰুম্ভান্ত ডাহারটিটোকে কহিলের ৷ ডারপত सक्त होन्। डाहोटके स्थर्नन संदियां दिलन । ক্ষাত্রত থলি আগানুক সাতি মাত্রেই দুঝ নহে বুখাপি ওত্তুরু অধিম মইনম আচে 1 .. চদবাক কহিতেছেৰ যে ভাতার ইচ্লাকমে অকার্ডা हार्वाद- नामन करड़ (मध कि ग्रही उद्गुर, म्हांग्री यन पृथ्भी इस्प्रन (म उ कान उहा. ক্রাছার অস্থার্থন করিবে মা। স্থাতা জিড়ামা

कृतिकारक र वि । अपूर्व कृष्टि । अपूर्व

ু অথেরিয়াতে চুকায়নি দায়েতে এক ছেন্তি

जारात दिनि रेनथि इंडेशं शहा खूरेन टर्शिंग

কৃদ্ধ চুড়ামনি মহাদেবের আরাবিদা ট্রিফার্শ করেন ভারণত্ব ওহার পার ফ্রাইনে

उनातात्मत (भृतिक यरक्षण्यत भुजारिक्षणे क्षेत्रे) कार्य प्रधा विद्या कविएउरक्षण पहि जुद्दे जीजि

ক্ষ্যের ও লগড়ে ছাত্র ছবিয়া ছবের মারী শোপনীয় হালে খাছিল ভারপর ছেমিবি এট

আইনে যে ভিছুত আমে ভাছাতে নিয়াই লগতের পুহারে বই তরিন। ভারণার মৌ

মূরণ ক্ষম হয়ত ভারতে তুই থাব। তাবন মুখ্য হয়বি। তদনত্তর তাহার

ক্যাক্তম শুভাতে ওঠিয়া সেই সক্ৰ ক্তিপেৰ তথ্য যে বাণিত ক্ষেত্ৰ কতিছে

করিলেন তথান যে লাশিত ফৌর করিছে; কানিয়াচিত নেই নকল দেখিয়া চিত্রী

করিতে দাণিল বলিজেরে নিধি পুরস্তের কুই প্রশায় অন্তর্ম আহিও কেশ লাক্ষিক 14

লৈই অবসি নাপিত ডাহার হত লাড় হতে इतिया (भिनेदम डिक्टक्ट्र जारीयस (स्टार) ীক দিল এক ডিছুক পরিয়া লগেড়ে বই ইরিশ। মেই অগরাধে রাজা ভাষাকে দাঁসি ছিল আউন্থ অধীয় হনি পাপ প্রোর এ ফল 🖫 ্রাজা কহিতেকেল পুল্বত হও ঞান শ্লালয়া প্ৰত্তে চিত্ৰত্ব হাজা ওপান্ত इरेग्राहर 🕆 खोरांड त्य भुकात कर्लंबा रहा दासी র্বর। হান্ত্রী কহিতেনে আনি আগার চরের म्ला अनिनाय छोट्य महा मनी शृतिहर উপদেশ থাছাক্ষে চিত্রবর্ত আহর করেন কিন্দু দৈ মৃতু মণ্ডী দে জয় করিতে পারিতে না ভাহা কহিয়াতেৰ প্ৰ হুৱ অৰম হিখ্যাবাৰী পুহাৰী জীও মৃদু পুথম বিহি যে এমন মন্ত্ৰী লে শাসু অওএব र्पादभ स्म युक्तं पात्र होति ना करत छात्रभ नती

প্ৰতি বল পথে তাহার মেলাল্যা হরিছে

me

सांत्र मादि मिनानेडिक निरंशिंग कहा चीडिके उथाठ मोर्ट १४ भृष्टि समी भवर्वजन्तम सम्बद्ध ৰোয়াণ্ডি জন্ম ভ্ৰন্ত ফুড নিবানাতে ব্যক্তি বুমান্ত ভোজনেতে শীমু বাগৰি দ্*ভিচ্ন*তে পীকিট ৰ্ঞি বভিন্নেতে আফুৰ সাদা বুৰা জলেতে व्यक्ति वरे सकल्या यही गंग भरत्व रेममा শাস্ত করে ইহার শর তাহার প্রেরিড বলেরা গিয়া যেমৰ অপকাশ পাইদ সেই কমেতে তিপ্রবর্তনার আদেক মেনানিতি ও মেনাকে হনক ক্রিল ডারবর চিত্রবর্ল বিষয় ছইয়া আপ্রল मद्रो पृद्रभूणीयक काहरउरक्तन अथना-बेहोत हिः ওণাঁহ বল ৷ কোখার আমার অবিদয় আছে: ভাহা কহিছাকেৰ অনুপত্ত মৈনা হটকে বাজা क्रांन मुखि रह नां प्यान अख्य व्य स्ट्राइ मुक्त करत (महे नक्ती (य ना धार (महे मूधी-त जाइकी ४५ वृक्त रिक्षा देखाँथ प्रत्नेदर् ব্রিহীত। পৃথি কহিতেছেন অবিহাসে ছবাল হয়ি।

हैं दें दें दें हैं दें दें दें प्रकृत स्मर्गा हिंदे देह (प्रमृत् ভাৰত বিষ্ট ভব যে সাহ্নী নয় ভাছাত্ ওবার নাই তুলি আবদার হলোৎমাহ हासियां माइमं कविन्। अनुनां कथां किल्हे মানিবা না আওমার এই বুলিডে ভোমার এমার क्षेत्र इंदेन। द्वांदा कहियाकमें य प्रदूर्वा ফালেনা ভাইার ওপার নাই ভাহা নাভিত্র (ए) इ ताहि (म (क्यन (च्यन क्नागाणी) (क्रांगीत প্রিকা শাস্ত হয় না। সম্ভাতে কাহার অহঞ্চার না করে মৃত্যুহত কহিছে নাট না করে স্থীত কাহার বিষয় না করে ইহাই বলিয়া আলোচনা ক্ষাব্ৰুলেন এ কাজা জান হান জাহা যদি সা ছাত্ত তবে ফি কার্ল নতি পাদের্র কথা মানিলেক না ঘাহার জান নাহি তাহার শান্তে कि.करत एकान अएजात मर्पन । देश दिरकानी করিয়া হুণ করিয়া থাকিল তারণর রাজা

হাহিতেদেন আমার এ অপরাধি হাইটাটো এটালী য়ে অবশিশু বল আজে তাহা লইয়া ফিবিয়া বিজ্ঞাচনেতে ঘটি। स्मर्भारत भूते हिंद्री ইব্রিডেচেন ইহার পুতিকার করা ওপার্ক দেবতা ওঠ গাঁও রাজা বুহ্লিল বলি বৃদ্ধ আডুরে সদা কোপ কর্ত্তা নহে ৷ ভাল মহারাজ কিলু ভর কৈরিও না। अन्दांत शरी महिनाउ रेक्ट्रा कर्मा (प्रशिष्ड পতিত এই মকলের কথা কর্ত্তরা কিন্তু দুস্তে কে শগ্রিত নহে অশর অলুকার্ত্য আর্ট্র করিলেওঁ ৰাগুণু হইলে কৰাত হয় লা মহা কাৰ্য্য আৰু ডু ক্রিনে মদি বিবেচনা করিয়া চলে ডাহাও মিনি হয়। মুহারাজ ডোমার পুডাপে ঘৃদ্ধী ব্যুক্রিয়া আশনকার কীর্ত্তি প্রাণ কহিও नीम् दिन्।। इल नहेम्। यदिव । कृति वहिट्ड জেন ঞান তালু হল আছে কি প্রাকে গৃন্ধ স্মুর করিবা। পূর্বী কছিডেমেল এছারাজ

দাস্কলি ছইমেক ঘূদ্দি জয় কহিতে ইট্রা কর তবে শীঘু কহিয়া নকৰ পথ রোই কর। ওদনত্ত্ র্ণেরিড বকেতে দেই কাণ রাজা হির্নাণির্রের নিকট ঘাট্য়া কছিল মহারাজ মধন তালু বন চুত্ৰৰৰ গৃংবু মন্ত্ৰা ওপথাত্ৰ কৰিয়া দকল পথ রোধী করিবেক। রাজা কহিতেলেন মুদর্বজ ঞান কি ওপায়। চুক্তবাক কহিছেছে আপন মৈলোর মধ্যে দার অদার হিড়ার ককন ডাছা द्वानियां भुद्द कार्नियः (य एकान रविभा अंदितः ত্যেনি শুর্নি ককর মুক্ত হস্ত রাজার রাজ মি হাসন ও বাজনজ্ঞী কথল ভাগি হয় নং। অসা पुकार परक दिवादा मुहत्म दिल्क्षण यणेन्द्रहरू क्रामा शिव म॰ शुंदर शिव खीरउ देरन दांसादर এ মাৰলে জড়ি ব্যার না করিলে বনভিড ছয় মুখ বে দে কলু কার ভয়েতে স্বৰ্বনাশ করে। কোন পণ্ডির আপন স্থী ডাগি ক্ষে ব্লিট্র সুম দেবারে।

কহিতেতেৰ এখন কেন্দ্ৰ কৰিয়া কৰি वाभ्य केत्रियु करू । अही केट्रियुट्स कार्रियार ৰিশ রহল করে। অপেন্দার আগন পড়িয়ালে ইছাতে কৃপিন্তা করিবেদ না জ্যাতের আপদ কোধার। রাজা কছিড়েছেল লফ্রী মুলিজ হয়েন ৷ মনু কহিতেছেন এখন সঞ্চিত ইন ড়াও বিনাশ হয়। মে বলিডেকে মহরিত এখক क्षेत्रिं। प्रहिशा प्रांतिष अधारमस्य कारिन रैन्द्रसाह श्वहाह वक्त भर्दूत इस गत শ্বান মন্ত্ৰী হাজা তত্তি লহুতি হালৈ পতুত্ হল নথা করে অপর অপন দৈনা বাঁছার পান মাত্রর ডাছারং শাসুর লীর শাত্ত শূর সঞ্চ করে। য়ে হেতুক সভা শৌর্য দরা ভাগে এই দৃশের মাৰত শ্ৰুপ ইছাতে ৱাজাৰে মূক্ত করে। এই क्षणंड व्यागाउग्र प्रमुग्र कर्वता व्याग মাহার ঘেষদ বৃদ্ধি থাকে ভাহাকে মেই মাড কার করিয়া লিয়ক্ত কৰল তাহারা আশন

भूति ७ दन विद्या कमा क्रिक्टरक । भून महा ঢ়াত হল হোট ঘাঁহার সন্মান শান্দায়ে তেন্তৰি न्डाग् आंत्र निदा च्रादाह करनेकां करह स কাজার পৃথিত্তী বিশহা অবশা হয়েন আর ফে দালা মত্ত হস্তার লায় মদান্দ্র হয় ডাস্থার কল্লী वेहे मकन खार्थालंक्थन इहेरड६ व्यवदर्भ व्यक्तियां भीनांच कदियां कहिरतहरू হহারতি দৃষ্টি করিতে আজা হতকে সমুতিত বিশক্ত দল হাতে বৰ্তমান ভাহাইদেক इतिहरू द्वारियां कार्यनाह करेड निरवहत कविष्ठ व्यक्तिमा । वन कहिष्ठात्र अपन নয় ঘৰি বাহিডাইয়া বৃদ্ধ কৰিবা ব্যব বলাপুত্ৰ ভূথা হয় অগর বিবয় যে কুট্রার তল হইছে নিগতি হইয়া অবশ হয় ডেমনি বন হইতে শুর य मिन्द्र निर्धेष इंदेश्व (म न्धीरनड् इक्ष মহারাজ জাপনি গিয়া বেখন বলের विशिद्ध चूंदरीत करिया यदि स्वाही शस्त्र

অবলোকন করেন তবে কুছুর যে সে সিংএইর স্মৃদুশ হয়। তারপর তাহারা সকলে দারে গিলুর মুদ্ধ করিতে দাঁগিলেন। শরে চিত্রখর্ন রাজা शृद्धः कहिएलेक अधन संग्री (प्रह। शृद्ध वनिर्द्धातन श्रेत शहीताच अथन क्षेत्र कहिरदन শা যেমন শক্তি দেবু সংযোজ ককক। । মন্ত্ৰী রাজার ফরে কছিতেছেন গোন এই।। ভারপর विवम मूर्या अवस्त्रह नृत्य बलाइ होहिविधीद খারে ও সকল বলে কাকেতে প্রকেবারে অদি क्ष्मनोहेशा दिल । छोत्रभन् शिल्श, यरभन् यरशा अहे কোলাহল শন্ত করিছেং সংর্বরে অগ্নি পুর্যালত হইয়া ওটিশ ডাহা হেডিয়া রাজহৎদের हैमत्मादा जान भूरवर्ग कदिन। य एड्ड्न म्यादु म्बिजां मूर्याचा म्र्निविक कार्या कार्य প্ৰজ্বল শক্তি ভাছাই ক'রবেক বিচার করিবে না। ब्राजहरूम स्कार यस शिक् विक्रीय महिमा ইহার মধ্যে চিত্রনূর্র দেনাবিভি

व्योमिया (विश्वेष श्रेन । उभान श्रिनारी हे महिल ছে কহিডেনেল আফিডো গেলাম ভুমি ক্রি কারণ আহার অনুহরাবে আগনার পুান নটা ৰাহ তুমি ঘাইতে শক্ত আৰু জলে গিয়া আপন পুঁান বহুল কর্ম আমার আশা আর করিও ৰা তারপর আহার পুঞ্ ুতামনীকে সর্বজ হাবীর সহিত্ত রাজা করিও। 💢 দে কহিতেতে মহারাজ এমল আজা করিবেন না আপনি জয় করিবেল আমি কহি আমার দেহে পুল থাকিতে এমন বীর কে আদে কাছার শক্তি র শথে পুরেশ করে যে যাজি দাতা ফ্রমারস্ক विन्धारी सांगीह मुश्या मुश्यी। द्रांजा दलिए জেন এ করে। কিন্তু প্রতি দক্ষে অনুরক্ত এমন ভূতা পাওয়া দুৰ্ভ্ল ৪ মার্ম কহিতেচেল শুল सहावाज यदि समाद मृजुाव चय क्र छाउ ভাছা বল ভাছার মত করা দায় মরল অবশা ক্ষানত তবে কি কার্থ প্রাইয়া মুপ নুচাইব